व्याख्यान माला का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य/मुख्य समन्व्यक सी–ट्रेड के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम आयोजन व्याख्यान माला की संयोजक डॉ0 कमला बोरा द्वारा किया गया प्राचार्य महोदय का प्रो0 पूनम रौतेला पुष्प गुच्छ एवं बैच लगाकर स्वागत किया गया। प्राचार्य जी ने अपने सम्बोधन में तराई क्षेत्र के लिए कृषि मृदा जल संरक्षण नदी पर्यावरण एवं जैव विविधता विषयों पर कार्य करने की आवश्यकता पर बल देने के साथ साथ ही उन्होने तराई को फरटाइल विद ब्रेन कहकर सम्बोधित किया

डसके पश्चात आज के कार्यक्रम की मुख्य वक्ता फारेहा एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा द्वारा कल्याणी नदी के परिवर्तित रूप गन्दा नाला पर व्याख्यान दिया व्याख्यान माला की पंचम श्रृखला में कु0 संगीता द्वारा देवहा नदी पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया।

उक्त व्याख्यान में सी–ट्रेड के कोर्डिनेटर एवं परीक्षा प्रभारी डॉ0 पी0एन0 तिवारी उपस्थित रहे। व्याख्यान में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 पूनम रौतेला, डॉ0 कमला बोरा एवं छात्र सूरज कुमार एवं एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर और तृतीय सेमेस्टर के छात्र एवं छात्रा आकाश, रीता, प्रीती एवं अभिषेक आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अंत में कार्यशाला का समापन डॉ0 कमला रा द्वारा किया गया।

श्रृंखला न0 06 एवं 07

"तराई शोध, शिक्षा व विकास केन्द्र" (C-TRED)
सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर)
"तराई शोध व विकास केन्द्र" (C-TRED) एवं भूगोल विभाग द्वारा
"जल–धन संकट" विषय पर एक सतत व्याख्यान माला

चतुर्थ व्याख्यान दिनांक :– 08.04.2022 समय 12.00 बजे

वक्ता :–

विषय शीर्षक :– 1. पूजा – कोसी नदी (एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर भूगोल)
2. लतिका – गौला नदी (एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर भूगोल)

नदी भूतल पर प्रवाहित एक जलधार है जिसका उद्गम स्त्रोत प्रायः कोई झील/हिमनद, (ग्लेशियर) झारना या वर्ष का पानी होता है अन्ततः किसी सागर या झील में गिरती है नदी दो प्रकार की होती है सदानीरा या बरसाती विश्व की सर्वाधिक प्राचीन सभ्यताओं का जन्म गंगा व सिन्धु नदीयों की घाटियों में ही हुआ एवं दुनिया के अधिकांश नगर नदियों के किनारे ही विकसित हुए है। भारतीय संस्कृति का मुख्य आधार ही नदियॉ रही है किन्तु वर्तमान समय में दुनिया भर की अनेकों नदियों की तरह ही तराई की नदियॉ भी प्रदूषण का शिकार हैं तराई में आबादी के जमाव से पूर्व यहॉ की नदियों का जल इतना पवित्र था किन्तु वर्तमान समय में नगरीकरण व औद्योगिकरण ने नदियों के अस्तित्व को खतरे में डाल दिया है नदी में शहरों का प्रदूषित जल, कारखानों के रासायनिक अवशेष जल एवं सीवेज के जरिए गिरते पानी से नदियॉ संक्रमित हो चुकी है आज तराई की अधिकांश नदियॉ बिमार सी है, इसके अलावा जलवायु परिवर्तन भी एक महत्वपूर्ण कारक है जिसके फलस्वरूप अनियमित व अनियन्त्रित वर्षा के कारण बाढ़ का संकट तराई क्षेत्र झेलने को मजबूर है। आज नदियों की दुर्दशा कल सभ्यता के अस्तित्व के लिए खतरा व चेतवनी है। अतः समय रहते नदियों की पवित्रता व अस्तित्व को बचाने की मुहिम में सभी को साथ लेकर चलना होगा क्योंकि –

"नदियॉ है तो, यह मानव जीवन है
नदियॉ है तो, यह धारा है
नदियॉ हैं तो, हरियाली है
नदियॉ है, तो, जीवन में सुख–समृद्धि और खुशहाली है।"

प्रो0 के0के0 पाण्डे	डॉ0 कमला बोरा	प्रो0 पूनम रौतेला	डॉ0 पूनम साह
प्राचार्य	आयोजक सचिव/समन्वयक	सह समन्वयक	सह समन्वयक
अध्यक्ष/मुख्य समन्वयक	भूगोल विभाग	भूगोल विभाग	भूगोल विभाग
(C-TRED)			

षष्ठम व सप्तम श्रंखला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुऐ डॉ0 क

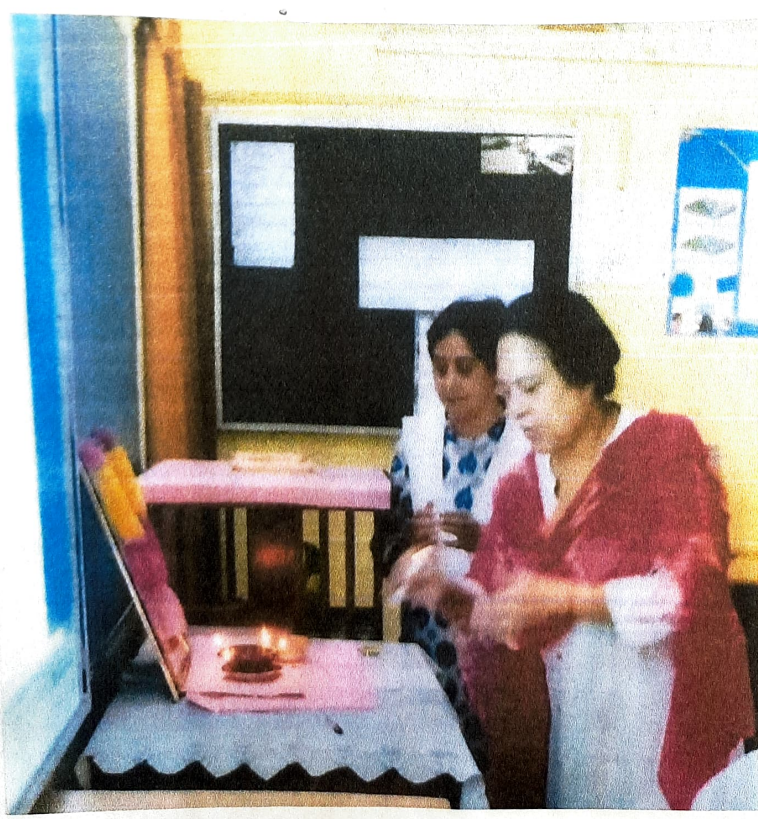

श्रंखला का शुभारम्भ करते हुऐ प्रो0 पूनम रौतेला व डॉ0 कमल

दीप प्रज्वलन के साथ शुभारम्भ

विभागाध्यक्ष का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत

षष्ठम श्रंखला की मुख्य वक्ता कु0 पूजा द्वार कोसी नदी के खनन व बाढ़ पर व्याख्यान

सप्तम श्रंखला की मुख्य वक्ता कु0 ललिता द्वारा गौला नदी के प्रदूषण व खनन पर व्याख्यान

Department of Geography
GEOGRAPHY DEPARTMENT

विभाग के समस्त प्राध्यापक व प्राचार्य प्रो0 के0के0 पाण्डे

प्राचार्य द्वारा सम्बोधन

षष्ठम एवं सप्तम् व्याख्यान माला

रिपोर्ट

दिनांक :– 08.04.2022

दिनांक 08.04.2022 को सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रूद्रपुर के भूगोल विभाग एवं तराई शोध शिक्षा एवं विकास केन्द्र के तत्वाधान में 'जल घन संकट' विषय पर षष्ठम श्रृंखला का आयोजान किया गया।

व्याख्यान माला का शुभारम्भ भूगोल विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ0. पूनम रौतेला के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम आयोजन व्याख्यान माला की संयोजिका डॉ0 कमला बोरा द्वारा किया गया।

व्याख्यान माला में तराई क्षेत्र की नदियों के बारे में एवंज ल संरक्षण के बारे में अवगत किया गया एवं जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इसके पश्चात् आज के कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पूजा कुमार एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर की छात्रा ने कोसी नदी के बदलते हुए स्वरूप के बारे में एवं पर्यावरणीय संकट, प्रदूषण पर विस्तृत जानकारी देते हुए उसके संरक्षण के प्रति विशेष जागरूक रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। व्याख्यान माला की सप्तम् श्रृंखला कु0 लतिका द्वारा गौला नदी पर खनन से होने वाली पर्यावरणीय क्षति व प्रदूषण से आगह किया।

व्याख्यान में महाविद्यालय के शोध छात्र सूरज कुमार एवं भूगोज विभाग के छात्र/छात्राऐं एवं महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थी उपस्थित थे। डॉ0 कमला बोरा द्वारा नदियों की वर्तमान स्थिति और भविष्य में होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालकर व्याख्यान माला का समापन किया।